भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2782
05.08.2026 को उत्तर देने के लिए

राष्ट्रीय पारिवारिक आय सर्वेक्षण

2782. श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाहः
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरीः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः
श्री सतीश कुमार गौतमः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री बलभद्र माझी:
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री राहुल सिंह लोधीः
श्री बिभु प्रसाद तराईः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित राष्ट्रीय पारिवारिक आय सर्वेक्षण के व्यापक आंकड़ों को ट्रैक करने के लिये आरंभिक राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण के उद्देश्य और संरचनात्मक ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ओडिशा राज्य के नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र को उक्त सर्वेक्षण के अंतर्गत शामिल किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में साक्ष्य आधारित शासन को बढ़ावा देने और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए लाभार्थी लक्ष्यीकरण की सटीकता को परिष्कृत करने तथा परिवार की आय और सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करने में सर्वेक्षण के निष्कर्षों की अनुमानित उपयोगिता क्या है;

(घ) क्या विशेषकर ओडिशा के नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में उच्च सांख्यिकीय सटीकता और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व की गारंटी देने के लिए कार्यप्रणाली ढांचे का कठोर पूर्व-परीक्षण और विशेषज्ञ सत्यापन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) जनता के लिए समग्र निष्कर्षों के पारदर्शी प्रचार-प्रसार को सुकर बनाते हुए व्यक्तिगत उत्तरदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करने के लिए क्या नवाचार बनाए गए हैं; और

(च) क्या नबरंगपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित समग्र निष्कर्षों को भी सार्वजनिक किया जाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) और (ख): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) अप्रैल 2026 से मार्च 2027 के दौरान पहला पूर्ण राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (एनएचआईएस) संचालित कर रहा है। एनएचआईएस सर्वेक्षण का उद्देश्य जनसंख्या के विभिन्न वर्गों के साथ-साथ विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में लोगों की जीवन-स्थितियों, आय के स्वरूप और आय वितरण के बारे में सूचना प्रदान करना है। एनएचआईएस से प्राप्त आय के अनुमानों का उद्देश्य आय सृजन के स्रोतों और स्वरूपों का विश्लेषण करना है। एनएचआईएस में, परिवार के एक या अधिक सदस्यों द्वारा विभिन्न स्रोतों जैसे (i) नियमित वेतन/मजदूरी, (ii) आकस्मिक कार्य, (iii) कृषि/गैर-कृषि में स्वरोजगार, (iv) रसीदों का हस्तांतरण और (v) परिसंपत्तियों से आय, से अर्जित आय पर सर्वेक्षण संबंधी सूचना एकत्र की जाती है। एनएचआईएस का संचालन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ गांवों, जो पूरे वर्ष दुर्गम रहते हैं, को छोड़कर ओडिशा सहित भारतीय संघ के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में किया जाता है ।

(ग): एनएचआईएस से प्राप्त डेटा का उद्देश्य विभिन्न आय वर्गों, क्षेत्रों, रोजगार के प्रकार (वेतनभोगी, आकस्मिक, स्वरोजगार), आय के स्रोत, क्षेत्र आदि के आधार पर प्रति परिवार औसत या प्रति व्यक्ति औसत आय के बैंचमार्क अनुमान प्रदान करना है। इनका उपयोग साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और नीतिगत हस्तक्षेपों की सफलता या विफलता के आकलन के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, एनएचआईएस में एकत्रित सूचना का उपयोग स्थानीय संकटग्रस्त क्षेत्रों और संरचनात्मक आय अवरोधों को चिह्नित करने के लिए किया जा सकता है, जिससे लक्षित कार्यक्रमों या अवसंरचना अनुदानों जैसी क्षेत्र-आधारित हस्तक्षेपों को लागू करना संभव हो सकेगा।

(घ): राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (एनएचआईएस) के मूल ढांचे की देखरेख के लिए, एमओएसपीआई द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से युक्त एक तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) का गठन किया गया है। टीईजी सर्वेक्षण की अवधारणाओं और परिभाषाओं को अंतिम रूप देने; डेटा अंतरालों और सत्यापन आवश्यकताओं की पहचान करने; सर्वेक्षण अनुसूची/प्रश्नावली, सर्वेक्षण उपकरणों, प्रतिदर्श डिजाइन, प्रतिदर्श आकार, अनुमान प्रक्रियाओं, डेटा सत्यापन पर मार्गदर्शन प्रदान करने; प्रायोगिक सर्वेक्षण/पूर्व-परीक्षण आयोजित करने आदि के लिए उत्तरदायी है। सर्वेक्षण आरंभ होने से पहले, इसकी स्पष्टता, समझ, व्याख्यात्मकता और स्वीकार्यता का आकलन करने के लिए एक पूर्व-परीक्षण किया गया था।

(ङ): एमओएसपीआई उत्तरदाताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए सभी इकाई-स्तरीय सूचनाओं को गोपनीय रखता है, किसी भी प्रकटीकरण से पहले व्यक्तिगत पहचानकर्ताओं को हटा देता है। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान उद्देश्यों के लिए जारी किए गए इकाई-स्तरीय डेटा को अनाम कर दिया जाता है। इसके साथ ही, मंत्रालय स्थापित डेटा प्रसार प्रोटोकॉल का पालन करते हुए समग्र स्तर के सर्वेक्षण निष्कर्षों का प्रसार करके पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, जिससे उत्तरदाताओं की गोपनीयता की रक्षा करते हुए जनता को सांख्यिकीय सूचना तक पहुंच प्राप्त हो सके।.

(च): एमओएसपीआई द्वारा संचालित सभी सर्वेक्षणों की रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं। निर्वाचन क्षेत्र-वार अनुमान अलग से जारी नहीं किए जाते हैं।

*****